सत्यमेव जयते

राविप्रौसंप NCSTC

बाल विज्ञान समाचार

26th State Level NCSC - 2018
Ulao II Begusarai II Bihar

SCIENCE FOR SOCIETY BIHAR

अंक - 3 दिनांक - 27 अक्टूबर, 2018 स्थान: माउंट लिट्रा पब्लिक स्कूल उलाव, बेगूसराय

पर्यावरण बचाओ

आज समय की मांग रही है पर्यावरण बचाओ
ध्वनि, मिट्टी, जल, वायु आदि सब पर्यावरण हमारे
जीव जगत के मित्र सभी ये
जीवन देते सारे
इनसे अपना नाता जोड़ो
इनको मित्र बनाओ पर्यावरण बचाओ -
जब तक जीव है जगत में
जब तक जग में पानी
जब तक वायु शुद्ध रहती है
सोंधी मिट्टी रानी
तब - तक ही मानव का जीवन है
यह सबको समझाओ
पर्यावरण -
हरियाली की महिमा समझो
वृक्षों को पहचानो
ये मानव के जीवन दाता
इनके अपना मानो
एक वृक्ष यदि कट जाए तो
ग्यारह वृक्ष लगाओ - पर्यावरण ---
जीव जगत की रक्षा करना
अब कर्तव्य हमारा
सोर और मिटटी का संकट दूर करेंगे सारा
एक वृक्ष हम नित रोपेंगे
आज शपथ ये खाओ -

:-शशि सिन्हा,
समन्वयक प्राराम्भिका
बलुआ पटना

तकनीकी सत्र

मुजफ्फरपुर से आए हुए बाल वैज्ञानिक अनंत राज ने एक पावर बैंक बनाया है जो कि सस्ती एवं टीकाउ है | इस पावर बैंक को बनाने में कोई प्रदूषण भी नही खत्म होता है |

पटना इंटरनेशनल स्कूल से आई शांभवी ने फ्लोर को क्लीन करने बाला मॉडल मनाया है जो कि हमारे बाथरुम के सतह को ओटोमेटिक साफ करेगा |

पटना दिल्ली पब्लिक स्कूल से बाल वैज्ञानिक सिद्वांत ने कीड़ों - मकोड़े न लगने वाला पेपर बनाया है |

रोहतास से आए बाल वैज्ञानिक मनोरंजन ने दूध, अकवन, निंवुरस आदि का आयोग करके कीटनाशक बनाया है |

स्नेहल सानवी एवं दिव्यांशी, माउंट लिट्रा पब्लिक स्कूल उलाव, जिन्होंने पर्ल कलचर - मोती की खेती मीठे पानी में परियोजना पर काम किया है |

प्रारंभिका के आगंन से पहला कदम उठाकर बना बाल वैज्ञानिक...

प्रारंभिका, बलुआ मनेर के बच्चे शिवानी, पूजा, नंदिनी, ज्ञान, चंद्रमोहन, अमन, विशाल, रोहित राज, और अभिषेक ने यह सवित कर दिया है कि गावों में कम संसाधन के बाबजूद जमीनी स्तर से जुड़कर भी वैज्ञानिक बनकर सफलता हासिल की जा सकती है | ये बच्चें गाँव से कभी बाहर नहीं निकाले, कभी ट्रेन पर भी नहीं चढ़े लेकिन प्रतिभा के बदौलत ये दिल्ली जाकर विज्ञान एवं प्रधौगिकी मंत्री डॉ० हर्षवर्धन, CSIR के द्वारा एक लाख और 50 हजार की राशी मिली | ये बच्चें आइरिस विज्ञान मेला, भारतीय विज्ञान कांग्रेस, राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस, इंस्पायर अवार्ड, CBSE विज्ञान प्रदर्शिनी आदि में परचम लहराया |

बाल वैज्ञानिकों के लिए शुभकामना संदेश

बच्चों तुमलोग को मेरी तरफ से शुभकामना है कि आगे बढ़ो एवं बाल वौज्ञानिक से युवा वैज्ञानिक की ओर सदा अग्रसरित रहो | कल की भविष्य बनते हुए अपने परिवार, समाज एवं राष्ट्र के नाम का पूरी दुनियाँ में झंडा लहराओ | तुमलोग तीन महीनों से परियोजना कार्य में लगे हुए हो पर थक के मत बैठना क्योंकि तुमलोगों में कुछ कर गुजरने का ऊर्जा लबालब भरा हुआ है | अंत में तुमलोगों के लिए हमारा संदेश है कि - "तु थक के न बैठ, अभी उड़ान बाकी है |
जमीं ख़त्म हुई है आसमां बाकी है ||

:- प्रो० सी० एस० झा
उपाध्यक्ष साइंस फॉर सोसायटी पटना |

के० के० जैन (I.O.C.L, कार्यपालक निदेशक), राशी जैन, प्राचार्या महोदया, निदेशक महोदय, माउंट लिट्रा वैली स्कूल

26 अक्टूबर की झलकियाँ

विज्ञान सम्मेलन में खिलती मुस्कान

खूब आनंद ले रहे मन को एक और दिन की सुबह ने आनंददित कर दिया | मुस्कानें ने सबको अलग - अलग वक्त पर लुक्का - छुप्पी में ढूँढा | 26 अक्टूबर बाल विज्ञान का दूसरा दिन बहुत ही बेहतर तरीके से बीता, तकनीकी सत्र - 2 में बीते दिन की तरह ही निर्णायकों ने प्रतिभागियों के परियोजना कार्यों की जड़ों में जाकर जाँच की और उनकी मेहनत को सराहा और तराशा | गुजरे दिन शिक्षकों की एक विज्ञान कार्यशाला भी हुई | पेंटिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन हुआ जिसमे स्वच्छता शीर्षक पर अपने विचारों को भी बच्चों ने रंगों से कोरे कागजों पर उकेरा | बच्चों ने बुलंद हौसलों के साथ अपने पोस्टर्स को भी अतिथि, पूर्व मेयर संजय कुमार को दिखाया जिन्होंने बच्चों को खूब सराहा | दिन भर पोस्टर की प्रस्तुतियाँ चलती रही | बीते दो दिन लगातार फेस - टू - फेस ने कई बच्चों के मन में जिज्ञासा पैदा की क्योंकि उनके मन में उठे विज्ञान के सवालों के जवाब, उन्हें विज्ञान के खूब जानकारीं ने दिया | इसके बाद बिहार भर से आए प्रतिभागियों ने बीती शाम आयोजन हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम में धूम मचा दी, कविताओं का जादू, नृत्यों की धुन गानों के सुर ने मंच और दर्शकों का मन इतना लुभाया कि उनकी शाम हसीन गई और मन झूम उठा, और इसी के साथ वक्त बीतता गया और सबके चहरे पर छुपी मुस्कान आखिर पकड़ी गई |

चमत्कार नही, बस विज्ञान है ...

अगर कोई खौलते तेल में हाथ डाले या फिर आँखों पर पट्टी बाँध कर पूरा अखवार पढ़ ले तो आप तो इसे चमत्कार ही मानेंगे | मगर बाल विज्ञान सम्मेलन में विशेषज्ञ रौशन जी और बुद्धदेव भंते इसे बस एक वैज्ञानिक प्रक्रिया बतलाते है, बस इतना ही नहीं वह आग पर चलना निम्बू से खुन निकालना, सिर पर आग जलाकर चाय बनाना, खौलते तेल में हाथ डालना, गर्म लोहे को छूना आदि कई तरह के जादुई करतबों को बच्चों के सामने प्रस्तुत करके बच्चों को उसके प्रक्रियाओं की जानकारी देते है और उन्हें अंधविश्वास से बचने का संदेश देते है |

इसके अलावा मो० जावेद आलम का जल कृषि गेलरी बच्चों को बिन मिट्टी के पौधे का संदेश देता है आए दिन मिट्टी काफी तरीको से प्रभावित हो रहा है इस लिए ये बच्चों में काफी दिलचस्पी पैदा करता है |

गोपालगंज के नवीन वैज्ञानिक

विवेक कुमार एस० वाई० आर० उच्च विद्यालय रेवातिथ गोपालगंज के 12वी० के छात्र एवं समन्वयक आर्यभट्ट विज्ञान क्लव गोपालगंज है | वह पिछले कई सालो से बाल विज्ञान सम्मेलन में हिस्सा लेते आ रहे है | वह बाल विज्ञान कांग्रेस में बाल वैज्ञानिक 2015, 2016 व 2017 भी रह चुके है | वर्तमान में वह माउंट लिट्रा पब्लिक स्कूल उलाव, बेगूसराय में चल रहे 26वीं राज्य स्तरीय बाल विज्ञान सम्मेलन में रिसोर्स पर्सन के तैर पर अपनी भूमिका अदा कर करे है | इनके आविष्कारों में चर्जेबुल जूते के साथ ऐसे कई उपकरण सामिल है | जो विज्ञान के क्षेत्र में इन्हें एक अलग पहचान दिलाने का कार्य कर रही है | विज्ञान के क्षेत्र में इन्हें कई सारे पुरस्कार भी मिले है जिनमे IIT कानपुर के पूर्व प्रो० एच० सी० वर्मा द्वारा सम्मानित | अमौढी रोग का कारण एवं निवारण, उल्टी रोग का निवारण आदि शामिल है |

किलकारी के बाल वैज्ञानिक

किलकारी ने बच्चों को कई मंच दिए है | श्रुति सुमन, रवि कुमार सिन्हा, प्रियश्वरा भारती आदि सभी बच्चों ने अपने योगदान से किलकरी को विज्ञान के क्षेत्र में भी आगे रखने में अपनी अहम् भूमिका निभाई है | इन्ही में एक है किलकारी बिहार बाल भवन के अभिनव आजाद | अभिनव ने सर्वप्रथम बाल वैज्ञानिक के रूप बाल विज्ञान सम्मेलन में 2013 में हिस्सा लिया और अपनी वैज्ञानिक प्रतिभाओ के बल पर न केवल राष्ट्रीय स्तर तक की प्रतियोगिता में गए बल्कि जीते भी | और इसके तुरंत बाद नेशनल बाल भवन द्वारा आयोजित बाल श्री सम्मान को जीतकर राष्ट्रपति के हाथों सम्मानित हुए | विज्ञान के प्रति इनकी जिज्ञासा ने उन्हें लगातार कई कार्यक्रमों से जोड़ा और एक के बाद एक वो कामयाबी की सीढ़ियाँ चढ़ते चले गए | आज वो I.I.T मद्रास में पढ़ाईकर रहे है | किलकारी की निदेशिका श्रीमती ज्योति परिहार बताती है कि बचपन में अभिनव को यदि कोई कुछ बोल देता था तो वो बहुत ही जल्दी निराश हो जाता था, परन्तु जरा सी मनोबल बढ़ाने पर उसका खोया उत्साह चार गुणा ज्यादा तेजी वापस आता और वह अपने काम के मुकाम तक पहुँचाकर ही शांत होता, आज भी उसे इस मुकाम पर देखकर बड़ा अच्छा लगता है वो हमेशा आगे बढ़ते रहे और अपना और किलकारी का नाम यूँ ही रौशन करता रहे | अभिनव के जैसे ही अमन कुमार ने भी अपना परचम विज्ञान के क्षेत्र में लहराया है | वह किलकारी से ''बाल श्री'' से जुड़े ये, नवीन विचारधारा के मालिक शांत स्वभाव के अमन कुमार टीम वर्क पर भरोसा करते है और हमेशा अपने साथ - साथ अपने सहयोगियों को भी आगे बढ़ने का मौक़ा देते है | उन्होंने भारतीय विज्ञान कांग्रेस, TED में अपनी अहम् भूमिका निभाई | गूगल पर भी इनके आर्टिकल खूब पढ़े जाते है |

जिला मुख्यालय बेगूसराय नगर के सर्वत: प्रतिष्ठित विद्यालय माउंट विशाल व भव्य प्रांगन में 26वीं राज्यस्तरीय बाल विज्ञान कांग्रेस का आयोजन एक शुभद सखद व स्वर्णिम अनभव ही नही एक अतुलित व अदभुत विज्ञान महांकुम्भ की अनुभूति प्रदान करने योग्य है |

धनयवाद ज्ञापन :- इस आयोजन कार्यक्रम की सफलता समस्त जिले की सफलता ही नहीं वरन विज्ञान कांग्रेस सोसाईटी की सफलता का भी घोतक ह | इस आयाजन का समेकित समीचीन, सुढठु व सर्वाशत: शत प्रतिशत मानी निकल पर प्रमाणित करने में आदित: विद्यालय के सम्मान्य निदेशक डॉ० मनीष देवा कोटिश: धन्यवाद के पात्र है जिनके भगीरथ प्रयास बृद्धिकौशल से इस त्रिदिवसीय महनीय आयोजन में राज्यभर से आए हुए बाल वैज्ञानिकों उनके प्रतिष्ठित शिक्षको व सर्वथा सम्मान्य अभिवावकों को यथेष्ट सुविधाएँ उपलब्ध करना संभव हो सका |

एतदतिरित्क बरौनी रिफाईनरी टाउनशिप के कार्यपलकों निदेशक का सहयोग व सौजन्य सर्वथा श्लाहय है | बेगूसराय के जिलाधिकारी आरक्षी अधीक्षक जिला शिक्षा पदाधिकारी व नगर निगम के महापौर सम्मान्य विधान पार्षद श्रीयुत: रजनीश जी भी धन्यवाद के पात्र हैं जिनकी उपस्थिति से आयोजन चमत्कृत हो उठा | अब मैं अपने सम्मान्य प्रेसिडेंट डॉ० सुरेश राय एवं श्रीयुत हर्षवर्धन जी को भी धन्यवाद देना चाहूँगी जिस के शुभागमन से बाल वैज्ञानिकों व आयोजकों का उत्साह वर्द्धन हुआ | अंततः इस आयोजन से सम्बन्ध सभी शिक्षकों बाल विज्ञान कांग्रेस के सदस्यों व शिक्षकेत्तर कर्मचारियों को मेरा हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित |